

साम्मुखी स्त्री. (तत्.) सूर्योदय से सूर्यास्त तक रहने वाली तिथि।

साम्य पुं. (तत्.) 1. सादृश्य, समानता, सामंजस्य
2. उदासीनता, निष्पक्षता।

साम्यता स्त्री. (तत्.) साम्य।

साम्यवाद पुं. (तत्.) 1. मार्क्स द्वारा प्रतिपादित एक सिद्धांत जिसका उद्देश्य ऐसे वर्गहीन समाज की स्थापना है जिसमें संपत्ति पर समाज का समान अधिकार हो और व्यक्ति से शक्ति भर काम लेकर उसकी सारी आवश्यकताएँ पूर्ण की जाए, कार्ल मार्क्स का विचार दर्शन, मार्क्सवाद
2. साम्य या सब मनुष्यों की समानता और ऊँच-नीच, गोरे-काले आदि भेदों से मुक्त मानवता का सिद्धांत।

साम्या स्त्री. (तत्.) साधारण न्याय के अनुसार सब लोगों के साथ निष्पक्ष और समान भाव से किया जाने वाला व्यवहार, समदर्शितापूर्ण व्यवहार।

साम्यामूलक वि. (तत्.) जिसमें समदर्शिता का पूरा-पूरा ध्यान रखा गया हो, साम्यिक।

साम्यावस्था स्त्री. (तत्.) प्रकृति के तीनों गुणों-सत्त्व, रजस, और तसम् की समावस्था।

साम्यिक वि. (तत्.) जिसमें समदर्शिता का पूरा-पूरा ध्यान रखा गया हो, साम्यामूलक।

साम्राज्य पुं. (तत्.) 1. सार्वभौमसत्ता, पूर्ण प्रभुता
2. आधिपत्य, प्राधान्य 3. वह विशाल राज्य जिसके अधीन अनेक राज्य हों और जो एक सम्राट द्वारा शासित हो।

साम्राज्य लक्ष्मी स्त्री. (तत्.) साम्राज्य का वैभव, साम्राज्य की अधिष्ठात्री देवी।

साम्राज्यवाद पुं. (तत्.) 1. एक राष्ट्र का दूसरे राष्ट्र को अधिकार में लाकर उसे अपने हित का साधन बनाने का सिद्धांत 2. साम्राज्य-विस्तार करने का समर्थन 3. छल-बल से अपना राजनीतिक या आर्थिक साम्राज्य स्थापित करने या उसे बढ़ाने की प्रवृत्ति या नीति।

साम्राज्यवादी पुं. (तत्.) साम्राज्यवाद का अनुयायी अथवा समर्थक वि. साम्राज्यवाद संबंधी, साम्राज्यवाद का।

साम्हने अव्य. (तद्.) सामने, सम्मुख।

साम्हर पुं. (तद्.) 1. एक प्रकार का हिरन, साँभर
2. राजपुताने की एक झील।

साम्हा अव्य. (तद्.) सामने।

सायं पुं. (तत्.) शाम, संध्या वि. संध्याकाल का, संध्याकालीन।

सायंकाल पुं. (तत्.) शाम का समय, संध्या का समय।

सायंकालीन वि. (तत्.) संध्याकाल से संबंधित, संध्याकाल का, शाम के समय का।

सायंतन वि. (तत्.) सायंकालीन, संध्या संबंधी, संध्या का।

सायं-भव वि. (तत्.) 1. संध्या का, शाम का 2. संध्या के समय उत्पन्न होने वाला।

सायं-संध्या स्त्री. (तत्.) 1. गोधूलि वेला, साँझ 2. शाम की पूजा-अर्चना, सायंकालीन उपासना।

सायँ-सायँ स्त्री. (अनु.) सन्नाटा, शून्यता, निर्जनता।

साय पुं. (तत्.) 1. संध्या का समय, शाम 2. तीर, बाण।

सायक पुं. (तत्.) 1. बाण, तीर, शर 2. खड्ग।

सायण पुं. (तत्.) एक प्रसिद्ध आचार्य जिन्होंने चारों वेदों के भाष्य लिखे।

सायणीय वि. (तत्.) सायण संबंधी, सायण का।

सायत स्त्री. (अर.) साइत, किसी कार्य के लिए शुभ समय, शुभ-मुहूर्त अव्य. शायद।

सायन वि. (तत्.) 1. जो अयन से युक्त हो 2. जो राशिचक्र की गति पर आश्रित हो पुं. 1. भारतीय ज्योतिष में, काल की गणना करने और पंचांग बनाने की वह पद्धति या विधि जो अयन अर्थात् राशिचक्र की गति पर आश्रित होती है 2. किसी